22 OCT 11 2026.qxd 21-10-2026 23:35 Page 1

हारर और कामेडी का मेल बहुत दिलचस्प होता है- अक्षय कुमार



'भूत बंगला' के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर की तैयारी के बीच, आपके हिसाब से किसी फैंटेसी फिल्म की कहानी में ऐसी वजह और सोच होना कितना जरूरी है, जिससे दर्शक खुद को जोड़ सकें,अक्षय कुमार - मेरा मानना है कि हर चीज के पीछे कोई न कोई वजह होनी चाहिए, फिर चाहे वो फैंटेसी की दुनिया ही क्यों न हो। जब आप कोई कॉमिक बुक पढ़ते हैं, तो उसमें भी हर किरदार की ताकत के पीछे कोई वजह होती है। ये ताकतें आती कहाँ से हैं? कोई इंसान कैसे बदलता है और उसका रूप क्यों बदल जाता है? हर बदलाव के पीछे कोई वजह होती है। जब आप असाधारण किरदारों और काल्पनिक हालात की बात करते हैं, तब भी उनके पीछे की वजह बताना जरूरी है। इससे दर्शकों को आपकी बनाई हुई दुनिया को समझने और उससे जुड़ने में मदद मिलती है। मुझे लगता है कि हॉरर और कॉमेडी का मेल बहुत दिलचस्प होता है। जब आप कोई डरावना सीन देखते हैं, तो तनाव में रहते हैं और इंतजार करते हैं कि अब क्या होने वाला है। तभी अचानक कोई मजेदार पल आ जाता है और सारा तनाव खत्म हो जाता है। लोग हँसने लगते हैं। यही मेल इस तरह की फिल्मों को इतना मजेदार बनाता है। लेकिन, कॉमेडी हालात से अपने आप निकलनी चाहिए, उसे जबरदस्ती नहीं लाया जा सकता। 'भूत बंगला' के साथ भी यही कोशिश है कि दर्शकों को दोनों तरह के अनुभव मिलें। एक पल वो डरें और अगले ही पल हँसने लगें। अब जब फिल्म का प्रीमियर ज़ी सिनेमा पर हो रहा है, तो परिवार घर बैठे साथ में इस मस्ती और पागलपन का मजा ले सकते हैं। बस आराम से बैठिए, फिल्म का आनंद लीजिए और अगर किसी ऐसे पल में हँसी छूट जाए, जब आपने इसकी उम्मीद भी न की हो, तो हैरान मत होइए। मुझे लगता है कि कॉमेडी पूरी तरह सही समय पर सही बात कहने और आसपास की चीजों पर ध्यान देने पर निर्भर करती है।

अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल रीलोडेड की घोषणा

अमेज़न ने आज अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल रीलोडेड की घोषणा की, जो ग्राहकों के लिए नए डील्स, ऑफर्स, प्राइम मेंबर्स के लिए अतिरिक्त बचत और अब तक की सबसे तेज़ त्योहारी डिलीवरी लेकर आया है। आधी रात से शुरू होकर ग्राहक स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ब्यूटी, होम, किचन, रोज़मर्रा की ज़रूरतों और अन्य श्रेणियों में भारी बचत का लाभ उठा सकते हैं, साथ ही सबसे बड़े चयन की सबसे तेज़ डिलीवरी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा बैंक ऑफर्स, अमेज़न पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड पर अतिरिक्त 5प्रतिशत कैशबैक, अमेज़न पे लेटर पर 10प्रतिशत कैशबैक, नो-कॉस्ट ईएमआई और एक्सचेंज ऑफर्स के ज़रिए अतिरिक्त मूल्य मिलता है, साथ ही प्राइम मेंबर्स के लिए विशेष बचत भी शामिल है। अमेज़न पे त्योहारी खरीदारी को हर कदम पर और अधिक फायदेमंद बनाता है। खरीदारों को एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड ईएमआई लेनदेन पर 10प्रतिशत का इंस्टेंट डिस्काउंट मिलता है। अमेज़न पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड ग्राहक अपनी खरीदारी पर अतिरिक्त 5प्रतिशत कैशबैक पा सकते हैं, जो प्राइम मेंबर्स के मौजूदा 5प्रतिशत कैशबैक और नॉन-प्राइम मेंबर्स के 3प्रतिशत कैशबैक के अतिरिक्त है। अमेज़न पे लेटर के ज़रिए ग्राहक इस फेस्टिव सेल के दौरान 10प्रतिशत कैशबैक कमा सकते हैं और अपनी खरीदारी को आसान ईएमआई में बदलने या अगले महीने पूरा भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं। प्राइम मेंबर्स योग्य खरीदारी पर अतिरिक्त 250 रुपये के कैशबैक का भी लाभ उठा सकते हैं।

जमीन के बैनामे के बजाय, अधिकारोंके लिए संघर्ष करे किसान-राकेश टिकैत

बिजनौर (एजेंसी)। बिजनौर में किसान महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने जमीन के उचित मुआवजे को लेकर किसानों से एकजुट होकर आंदोलन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान जमीन के बैनामे करने के बजाय अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करें, ताकि उन्हें सर्किल रेट के अनुसार उचित मुआवजा मिल सके। टिकैत ने हाईवे और इंडस्ट्रियल एरिया के लिए जमीन देने से पहले किसानों से अपने अधिकारों की आवाज उठाने का आह्वान किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर किसानों को भूमिहीन बनाने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया और किसान संगठनों में गुटबंदी खत्म कर एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया।बिजनौर में आयोजित किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने जमीन के मुआवजे का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे जमीन के बैनामे करने के बजाय अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करें।टिकैत ने कहा कि किसानों को अपनी जमीन के उचित मुआवजे के लिए एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए। उनके मुताबिक, किसानों को सर्किल रेट के अनुसार मुआवजा दिलाने के लिए सामूहिक संघर्ष जरूरी है। उन्होंने किसानों से जमीन से जुड़े मामलों में अपने हितों को ध्यान में रखते हुए संगठित रहने का आह्वान किया।महापंचायत में हाईवे और इंडस्ट्रियल एरिया के लिए ली जाने वाली जमीन के मुआवजे का मुद्दा भी उठाया गया। राकेश टिकैत ने किसानों से कहा कि जमीन देने से पहले वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाएं और उचित मुआवजे की मांग करें।उन्होंने सर्किल रेट के अनुसार मुआवजा मिलने की जरूरत पर जोर दिया। किसानों की जमीन से जुड़े मामलों में एकजुट होकर आंदोलन करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना जरूरी है। महापंचायत में जमीन और मुआवजे से जुड़े सवाल किसानों के लिए अहम मुद्दे के रूप में सामने आए।राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार पर किसानों को भूमिहीन बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने किसानों से जमीन से जुड़े मामलों में सतर्क रहने और अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करने की अपील की। टिकैत ने कहा कि किसानों को अपने हितों की रक्षा के लिए एकजुट रहना चाहिए।

उन्होंने हाईवे और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए जमीन दिए जाने के मामलों में उचित मुआवजे की मांग को मजबूती से उठाने पर जोर दिया।

इंटरनेटका इस्तेमाल मौलिक अधिकार-सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली (आससे)। सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट तक पहुंच और उसके इस्तेमाल को बच्चों समेत प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार बताते हुए केंद्र सरकार को बाल यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार सामग्री (सी-सीम) की पहचान और उसे हटाने के लिए राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने का निर्देश दिया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने सोशल मीडिया खातों में बच्चों के लिए 'चाइल्ड मोड' शुरू करने का सुझाव भी दिया, जिसमें अभिभावकों की सहमति और निगरानी सुनिश्चित की जाए। अदालत ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा के नाम पर उन्हें इंटरनेट से पूरी तरह वंचित नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय डेटाबेस में शामिल सामग्री की कम से कम तीन प्रशिक्षित विशेषज्ञों से स्वतंत्र जांच कराई जाएगी। डेटाबेस से मेल खाने वाली बाल यौन शोषण सामग्री को डिजिटल प्लेटफॉर्म को तत्काल हटाना होगा। केंद्र सरकार को इस संबंध में दिशा-निर्देश और मानक संचालन प्रक्रियाएं तैयार करने के साथ कानून में जरूरी संशोधन करने का भी निर्देश दिया गया है। पीठ ने केंद्र और राज्य सरकारों तथा बाल अधिकार संरक्षण आयोगों को बच्चों को ऑनलाइन निजता की सुरक्षा, बहलाकर शोषण के जाल में फंसाने और यौन शोषण के लिए ब्लैकमेल करने जैसी गतिविधियों के प्रति जागरूक करने के कदम उठाने को कहा। अदालत ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा और उनकी स्वतंत्रता एक-दूसरे के विरोध में नहीं हैं।

यहां भी पढ़ें
-:Website:-
www.ajhindidaily.com
-:For e-Paper:-
www.ajhindidaily.com/
आज गौरव शाली परंपरा का १०७वां वर्ष
निःशुल्क ई-पेपर सब्सक्राईब करें।

मौसम

सूर्योदय : ०५.५९
सूर्यास्त : ०५.२५
तापमान
अधि. : ३४.२
न्यून. : १८.६

संवेदनशीलताके साथ करें हर पीड़ित की सहायता-योगी



मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में २०० लोगों की समस्याएं सुनीं, समाधान कराने का दिया भरोसा

गोरखपुर (आससे.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सबकी समस्या का समाधान करते हुए जन कल्याण और नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है। सरकार के इस संकल्प के अनुरूप हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाया जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कुछ लोग उपचार के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उपचार के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि उपचार से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही उन्होंने इलाज में सहायता के लिए आए लोगों से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। न होने की दशा में उन्होंने हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट देते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया।

आजादीके बाद पहली बार रावघाट पहुंची रेल छत्तीसगढ़के रेल विकासमें ऐतिहासिक उपलब्धि

ताड़ोकी-रावघाट एवं अभनपुर-कुरूद ब्राडगेज रेल लाइन का हुआ उद्घाटन



नयी दिल्ली। भारतीय रेल द्वारा छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार एवं यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में ताड़ोकी-रावघाट एवं अभनपुर-कुरूद ब्रॉडगेज रेल लाइन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर रावघाट-रायपुर एवं रायपुर-कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही, रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास भी किया गया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुंचना दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। इन परियोजनाओं एवं नई यात्री रेल सेवाओं से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा नागरिकों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में इन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं एवं नई यात्री रेल सेवाओं के शुभारंभ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ की जनता को इन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं एवं रावघाट-रायपुर तथा रायपुर-कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं के शुभारंभ पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अवसंरचना का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। दल्लीराझरा-रावघाट नई रेल लाइन, केंद्री- अभनपुर- राजिम-धमतरी आमान परिवर्तन तथा विभिन्न मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए गए हैं। खरसिया-परमालकसा डबल लाइन परियोजना पर भी कार्य जारी है। हाल ही में पेंड्रारोड-बिलासपुर-उसलापुर तीसरी रेल लाइन को भी कैबिनेट की मंजूरी मिली है। इन परियोजनाओं से छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी, यात्री सुविधाओं का विस्तार होगा तथा औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

देशसे २०२९ तक नशे का खात्मा करनेका लक्ष्य-गृहमंत्री

नयी दिल्ली (आससे)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 दिसंबर 2029 तक देश से नशे की समस्या खत्म करने का लक्ष्य तय किया है। बुधवार को नयी दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस



स्मारक में पुलिस स्मृति दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने देशभर के पुलिस बलों से इस दिशा में मिलकर काम करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाने के साथ अर्थव्यवस्था पर बोझ डालता है और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लगे संगठनों को आर्थिक मदद भी पहुंचाता है। शाह ने कहा कि देश ने इस साल 31 मार्च को नक्सलवाद से मुक्ति हासिल की। उन्होंने बताया कि आजादी के बाद से अब तक 36,852 पुलिसकर्मी कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए हैं। इन जवानों का बलिदान देश की सुरक्षा, प्रगति और विकास की नींव है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बिना लोकतंत्र की रक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था का सुचारु संचालन संभव नहीं है। शाह ने दावा किया कि बिहार और उत्तर प्रदेश में चुनावी हिंसा समाप्त हो गई है और सुरक्षा बलों की सतर्कता से इस बार पश्चिम बंगाल में भी पहली बार चुनाव हिंसामुक्त संपन्न हुए। इससे पहले गृह मंत्री ने 'नशे के खिलाफ लड़ाई' की थीम पर राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर देशव्यापी मोटरसाइकिल रैली को हरी झंडी दिखाई। इसमें नौ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 90 बाइक सवारों के साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के जवान शामिल हुए।

आपका आरोप : मुख्यमंत्री मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोका, ५०,००० का काटा चालान

नयी दिल्ली (आससे.)। आम आदमी पार्टी ने दावा किया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को दिल्ली एयरपोर्ट पर तीन घंटे रोका गया। पेरिस से लौटने के बाद अधिकारियों ने मान का 50 हजार रुपए का चालान भी काटा। अधिकारियों ने इसके पीछे ऊपर से बहुत दबाव होने की बात कही। दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने ङ्क पर पोस्ट कर कहा कि जैसे दशहरे पर रावण का घमंड खत्म हुआ था, वैसे ही केंद्र सरकार का अहंकार टूटना चाहिए।मान पेरिस में 17 से 21 अक्टूबर तक चल रहे अंतरराष्ट्रीय फूड ट्रेड एग्जीबिशन शैल पेरिस 2026 में शामिल हुए थे। केंद्र के फैसले के खिलाफ मान को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने फ्रांस दौरे की परमिशन दी थी।पंजाब क्रके मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने इस घटना को केंद्र की ओर से मान की विदेश यात्राओं की अनुमति बार-बार रोकने से जोड़ा। उन्होंने ङ्क पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि अधिकारियों ने शुरू में सामान आने या जांच में देरी का हवाला दिया। जब मुख्यमंत्री मान का सामान उनकी गाड़ी में लोड होने वाला था और वे जाने वाले थे, तभी अधिकारियों ने यह कहते हुए चालान जारी कर दिया कि वे ऊपर से भारी दबाव में हैं।विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा, उनसे पूछिए कि जुर्माना किस बात पर लगाया गया। मेरी जानकारी के मुताबिक, मैं आपको पहले भी बता चुका हूं कि एक यात्री दो बोतलें ला सकता है, लेकिन वे 8 से 10 बोतलें लेकर आए थे। इसलिए उन पर जुर्माना लगाया गया। कानून हर व्यक्ति के लिए समान है, चाहे वह मुख्यमंत्री ही क्यों न हो। नेता बलतेज पन्नू ने केंद्र सरकार पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मान पंजाब के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ावा देने के लिए पेरिस में आयोजित स्ट्रक फूड ट्रेड एग्जिबिशन में शामिल हुए थे। पन्नू के मुताबिक, हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद पेरिस में भारतीय काउंसल जनरल मान से मिलने नहीं आए।भारत के विदेश मंत्रालय ने भगवंत मान को कट्टरपंथी गुटों के खतरे का हवाला देते हुए फ्रांस दौरे की इजाजत नहीं दी थी। पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर केंद्र के फैसले को चुनौती दी। तर्क दिया कि दौरा राजनीतिक नहीं, बल्कि राज्य के व्यावसायिक और कृषि हितों को बढ़ाने के लिए है।

हिंदू मंदिर में गोलीबारी की साजिश की जांच हेट क्राइम मानकर करें

अमेरिकी सांसदों ने एफबीआई निदेशक को लिखा पत्र

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के 100 से ज्यादा सांसदों ने एफबीआई निदेशक काश पटेल को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि इलिनोइस के एक हिंदू मंदिर में हुई सामूहिक गोलीबारी की कोशिश की जांच एक फेडरल हेट क्राइम (नफरत से प्रेरित अपराध) के तौर पर की जाए। उन्होंने भारतीय-अमेरिकियों को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन धमकियों से निपटने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में भी जवाब मांगा है।

कांग्रेस सदस्य राजा कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में सांसदों का ये पत्र शिकागो के पास ऑरोरा स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में एक 19 साल के बंदूकधारी द्वारा गोलीबारी करने की कोशिश के कुछ दिनों बाद आया है। बंदूक (शॉटगन) जाम हो जाने के कारण उसकी योजना नाकाम हो गई थी, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई थी। कांग्रेस के 105 सदस्यों (जिनमें चार अमेरिकी सीनेटर भी शामिल हैं) के इस पत्र में ट्रंप प्रशासन के बयानों की भी आलोचना की गई है। इसमें कहा गया है कि इन बयानों ने नस्लीय और धार्मिक रूढ़ियों को जायज ठहराने का काम किया है। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस सदस्य प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, अमी बेरा, सुहास सुब्रमण्यम भी शामिल हैं। उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (गृह सुरक्षा विभाग) की एक पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें एक सिख व्यक्ति की तस्वीर के साथ ये संदेश था- हमारी सड़कों से हट जाओ, तुम्हें गाड़ी चलानी नहीं आती, मिस्टर सिंह। इसके अलावा, उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन (शिक्षा विभाग) की एक पोस्ट का भी जिक्र किया, जिसमें मेक कॉलेज फुटबॉल ग्रेट अगेन लिखा था। ये पोस्ट तब आई थी जब टेक्सास के एक रिपब्लिकन ने यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के फुटबॉल मैच में दक्षिण एशियाई लोगों के शामिल होने पर शिकायत की थी। 20 अक्टूबर को लिखे गए पत्र में सांसदों ने कहा, हमें इस बात की भी गहरी चिंता है कि प्रशासन की ओर से आए संदेशों ने इन समुदायों के प्रति नफरत को कम करने के बजाय उसे और बढ़ाने का काम किया है। सांसदों ने कहा कि नस्लीय नफरत, धार्मिक संदर्भ और बड़े पैमाने पर हिंसा की तैयारियों का ये मिला-जुला रूप एक व्यापक संघीय प्रतिक्रिया की मांग करता है। सांसदों ने ये जानने की कोशिश की कि क्या एफबीआई अरोरा मामले में संभावित नस्लीय, जातीय और धार्मिक पूर्वाग्रह की जांच कर रही है, क्या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या दूसरे व्यक्तियों ने कथित साजिश को बढ़ावा दिया है और पूजा घरों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने सितंबर 2026 की एक रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें जनवरी 2025 और जून 2026 के बीच एक्स पर 5,42,000 से अधिक दक्षिण एशियाई विरोधी घृणित पोस्ट की पहचान की गई, जनवरी 2024 से जून 2026 तक मासिक मात्रा लगभग 240 प्रतिशत बढ़ गई।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत और अमेरिका ट्रेड डील (व्यापार समझौता) के काफी करीब पहुंच चुके हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह समझौता पहले किए गए समझौतों से काफी अलग होगा। मंगलवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि भारत और अमेरिका व्यापार समझौता करने के काफी करीब पहुंच गए हैं। एक सवाल के जवाब में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, वे (भारत) समझौता करना चाहते हैं। हम समझौता करेंगे। हां, हम इसके काफी करीब हैं। यह समझौता अब तक किए गए हमारे समझौतों से काफी अलग होगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत की यात्रा के दौरान व्यापार, ऊर्जा, टेक्नोलॉजी, रक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। मार्को रुबियो ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि दोनों पक्ष एग्रीमेंट को फाइनल करने के करीब हैं, बस कुछ ही मुद्दों पर बात होनी बाकी है। उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि हम बिना किसी एग्रीमेंट के जितना करीब हो सकते हैं, उतने करीब हैं। मुझे लगता है कि कुछ ही चीजें बाकी हैं जिन्हें पूरा करना है।

पृष्ठ एक का शेष

यूपी में...

असलहे लहराते हुए खुलेआम घूमते थे। पुलिस अपराधियों पर हाथ डालने से पहले सोचती थी। कार्रवाई करने पर अपराधी के बजाय अधिकारी पर ही गाज गिर जाती थी। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में अपराधियों को पता है कि उनका आखिरी ठिकाना कहां है। योगी ने कहा कि पहले पुलिस नेताओं के पालतू जानवरों को जंगल में तलाशने में लगी रहती थी। एसपी और थानेदार किसी अपराधी के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले कई बार सोचते थे। कुछ ही घंटों में अपराधी के बजाय अधिकारी पर कार्रवाई हो जाती थी। उस दौर में अपराधी खुलेआम असलहे लहराते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग पुलिस की एनकाउंटर नीति पर सवाल उठाते हैं और माफिया की कब्र पर जाकर छाती पीटते हैं, वे शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों के आंसू पोंछने नहीं जाते।

महिला आरक्षण...

विपक्ष की सहमति नहीं लेने का आरोप खड़गे ने कहा कि सरकार ने अप्रैल 2026 में परिसीमन से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक कम समय में और विपक्ष की सहमति के बिना लाने की कोशिश की। उन्होंने बड़े संवैधानिक बदलावों से पहले सभी दलों से चर्चा करने और सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की।3. चुनाव आयुक्तों को कानूनी संरक्षण देने वाला कानून हटाने की मांग खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा 16 हटाने की मांग की। इस धारा के तहत चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक काम से जुड़े कुछ मामलों में कानूनी संरक्षण मिलता है।खड़गे ने आरोप लगाया कि इससे उनकी जवाबदेही कम होती है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने, पुरानी व्यवस्था बहाल करने और मतदाता सूची में बदलाव की निगरानी बढ़ाने की मांग की।लोकसभा सीटें बढ़ाने से जुड़े 3 विधेयक को 17 अप्रैल को जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने के कारण पारित नहीं किया जा सका। इस मुद्दे पर खड़गे ने प्रधानमंत्री को 11 अप्रैल, 16 जुलाई, 27 अगस्त और 16 अक्टूबर 2026 को पत्र लिखे थे।

पुलिस स्मृति...

जाता है। यह दिवस 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में चीनी सैनिकों के घात लगाकर किए गए हमले में शहीद हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 10 जवानों की स्मृति में मनाया जाता है।

जंतर-मंतर...

प्रसाद ने दोनों नेताओं से पूछा कि जब प्रदर्शन पर प्रतिबंध था, तो वे जंतर-मंतर क्यों गए? उन्होंने कहा आपने बॉन्ड का उल्लंघन किया है। आप दोनों जेन-जी नहीं हैं। अदालत ने उनके संगठन के उद्देश्य पर भी सवाल उठाए। सुनवाई के दौरान अदालत ने अन्य देशों में छात्र आंदोलनों के हिंसक होने की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वालों की जिम्मेदारी अधिक होती है। यदि वे बैरिकेड तोड़ेंगे, तो दूसरे लोग भी उनका अनुसरण कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में संभव है कि कुछ लोग उनके नियंत्रण से बाहर हो जाएं। न्यायमूर्ति प्रसाद ने कहा कि देश के बाहर ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जहां छात्रों के विरोध प्रदर्शन से शुरू हुआ आंदोलन आगजनी और इमारतों को जलाने तक पहुंच गया।

बिना...

कि विभिन्न स्थानों पर मंत्रियों के वॉयस मैसेज भेजे जा रहे हैं। अखिलेश ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग से हस्तक्षेप करने की मांग की। शिक्षामित्रों के मुद्दे पर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने शिक्षामित्रों से जुड़ी योजना को अधूरा छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर शिक्षामित्रों को पूर्ण शिक्षक बनाकर सरकारी नौकरी देने का काम किया जाएगा। सपा अध्यक्ष ने पूर्व मंत्री आजम खान के साथ अन्याय होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी उन्हें न्याय दिलाने के लिए लगातार प्रयास करती रहेगी। अखिलेश यादव ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की कुर्सी सुरक्षित नहीं है और जनता इस बार भाजपा से सत्ता छीनने जा रही है।

भारतके बाहर...

और भारत की मजबूती से परेशानी है, वही लोग आज भारत के बारे में दुष्प्रचार कर रहे हैं। दुष्प्रचार वाली ये ताकतें भारत के अंदर भी हैं और भारत के बाहर से भी स्पॉन्सर्ड (प्रायोजित) हैं।उन्होंने कहा कि रामभक्तों पर अत्याचार करने वाले भी अब कालनेमि की भांति राम-राम चिल्लाह रहे हैं। सीएम योगी मंगलवार शाम मानसरोवर रामलीला मैदान में श्री श्री रामलीला समिति, आर्यनगर की तरफ से आयोजित प्रभु श्रीराम के राजतिलक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी लोगों को विजयादशमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज को बांटने वाली ताकतों की साजिश से जब भारत कमजोर होता है तब उसकी सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत पर आघात होता है। भारत जब कमजोर होता है तब कोई राम जन्मभूमि अपमानित होती है। भारत जब कमजोर होता है तब कोई कृष्ण जन्मभूमि अपमानित होती है। भारत जब कमजोर होता है तब कोई काशी विश्वनाथ का मंदिर अपमानित होता है। जब भारत कमजोर होता है तब कोई सोमनाथ का मंदिर तोड़ा जाता है, लूटा जाता है। जब भारत कमजोर होता है तब नारी गरिमा तार-तार होती है। उनके बाजार लगते हैं, उनकी बोलियां लगती हैं, उन्हें नीलाम किया जाता है। मुख्यमंत्री ने समझाया कि इसके इतर जब भारत मजबूत होता है, एक भारत-श्रेष्ठ भारत के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा यशस्वी नेतृत्व प्राप्त होता है, तब भारत 500 वर्ष पहले तोड़ी गई गरिमा को वापस पाने में समर्थ होता है और अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण होता है। सीएम योगी ने कहा कि जो लोग भारत को कमजोर करना चाहते हैं, उन लोगों को अयोध्याधाम में त्रेतायुग का स्मरण, वहां भव्य दीपोत्सव, प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण कैसे बर्दाश्त होगा? यही कारण है कि ऐसे लोग लगातार दुष्प्रचार और भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं कि अयोध्या को कैसे अपमानित किया जाए। उन्होंने कहा कि अयोध्या के बारे में वे लोग दुष्प्रचार कर रहे हैं, जिन लोगों ने अभी तक अयोध्या में र